प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14

विषय – राजनीति विज्ञान (Political Science)
कक्षा – बारहवीं
सेट–डी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**
Time- 3 Hours **Maximum Mark – 100**

निर्देश–

i. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
ii. प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानी पूर्वक पढ़कर उत्तर लिखिए।
iii. प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिनके अन्तर्गत रिक्त स्थानों की पूर्ति, सत्य/असत्य, सही जोड़ी बनाना, एक वाक्य में उत्तर तथा सही विकल्प का चयन करना है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 1x5= 5x5 = 25 अंक
iv. प्रश्न क्रमांक 6 से 24 तक में आन्तरिक विकल्प दिये गये है।
v. प्रश्न क्रमांक 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 शब्दों में लिखना है।
vi. प्रश्न क्रमांक 11 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न के लिये 4 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 75 शब्दों में लिखना है।
vii. प्रश्न क्रमांक 18 से 22 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 120 शब्दों में लिखना है।
viii. प्रश्न क्रमांक 23 तथा 24 में प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक एवं प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों में लिखना है।

Instructions –

i. All question are compulsory.
ii. Please the instructions carefully before writing the answer.
iii. Q. No. 1 to 5 are objective type which contain fill up the Blank, True/False, match the column, one sentence answer and choose the correct answers. Each question is allotted 5 marks. 1x1 = 5x5 =25 Marks.
iv. Internal options are given in Q. No. 6 to 24.
v. Q. No. 6 to 10 carry 2 marks each and answer should be given in about 30 words.
vi. Q. No. 11 to 17 carry 4 marks each and answer should be given in about 75 words.
vii. Q. No. 18 to 22 carry 5 marks each and answer should be given in about 120 words.
viii. Q. No. 23 and 24 carry 6 marks each and answer should be given in about 150 words.

प्रश्न 1. सही विकल्प चुनकर लिखिए।

(अ) भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा कश्मीर को अन्य राज्यों की अपेक्षाकृत अधिक सुविधाएं दी गई–

(i) 356 (ii) 360

(iii) 370 (iv) 352

(ब) भारत का संविधान कब लागू हुआ –

(i) 16 अगस्त 1948 (ii) 26 अगस्त 1947

(iii) 26 जनवरी 1950 (iv) 15 अगस्त 1947

(स) राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष होता है–

(i) प्रधानमंत्री (ii) वित्तमंत्री

(iii) रक्षामंत्री (iv) गृह मंत्री

(द) निम्नांकित में कौन सा सामाजिक आंदोलन नहीं है –

(i) श्रमिक संघ आंदोलन (ii) नारी मुक्ति आंदोलन

(iii) किसान आंदोलन (iv) सती प्रथा

(इ) भारत–पाकिस्तान के मध्य शिमला समझौता हुआ था सन्

(i) 1950 (ii) 1972

(iii) 1999 (iv) 2002

Choose correct option :-

(a) In Indian constitution which section provides the privilege to Kashmir an comparison to other state.

(i) 356 (ii) 360

(iii) 370 (iv) 352

(b) When Indian constitution was introduced -

(i) 16 August 1948 (ii) 26 January 1947

(iii) 26 January 1950 (iv) 15 August 1947

(c) Who is the chairman of national development council -

(i) Prime Minister (ii) Finance Minister

(iii) Defense Minister (iv) Home Minister

(d) Which of the following in not social movement -

(i) Trade union Movement (ii) Feminist Movement

(iii) Peasant Movement (iv) Sati Pratha

(e) In which year Shimla pact was held between indo-pak

(i) Year 1950 (ii) Year 1972

(iii) Year 1999 (iv) Year 2002

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(i) संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष ..... थे।

(ii) भारतीय संविधान में ..... अनुच्छेद है।

(iii) .....नक्सलवाद प्रभावित राज्य है।

(iv) गुट निरपेक्ष आंदोलन का प्रथम शिखर सम्मेलन के समय सदस्यों की संख्या ..... थी।

(v) विभेदीकरण, समानता, सार्वभौमिकता एवं परिवर्तन की क्षमता..... के प्रमुख लक्षण है।

Fill in the blanks :-

(i) Tempoary chairmen of constitution assembly was …….

(ii) There are ……. sections in Indian constitution .

(iii) .....State is affected by Naxlism

(iv) At the time of summit conference of non aligned movement there are ……. number of members.

(v) Differentiation, Equality, Universalism and Capacity for change are the features of.....

प्रश्न 3. सत्य/असत्य लिखिए –

(i) आर्य समाज ने शुद्धि पर बल दिया था।

(ii) सन 1972 में भारत पाक के मध्य शिमला समझौता हुआ था।

(iii) हवाना शिखर सम्मेलन 2008 डर्बन में हुआ।

(iv) परिवर्तन आधुनिक युग की पहली शर्त है।

(v) रुजवेल्ट के परामर्श पर अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना की गई।

Write true / false

(i) Arya Samaj emphasised on chaslity.

(ii) Shimla Agreement was signed between India and Pakistan in year 1972

(iii) Hawana summit conferece 2008 was held in durbon.

(iv) Change is the major condition for modern world.

(v) International monetary fund was established by the advice of Roosevelt.

प्रश्न 4. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ी बनाइये –

	क		**ख**
(अ)	भारत का प्रथम परमाणु विस्फोट	–	हेग (हालेण्ड)
(ब)	यूनेस्को मुख्यालय	–	1974
(स)	कोरिया युद्ध वर्ष	–	न्यूर्याक
(द)	सं.रा.स. की स्थापना	–	24 अक्टूबर 1945
(इ)	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय	–	पेरिस

Make the correct pair for column 'A' choosing from column 'B'

	A	-	B
(a)	First alomictest of India	-	Heg Holland
(b)	UNESCO head office	-	1974
(c)	Koria war year	-	Newyark
(d)	Establishment of UNO	-	24 oct. 1945
(e)	Head office of International court of Justice	-	Paris

प्रश्न 5. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. संविधान सभा के स्थायी पद पर किसको निर्वाचित किया गया?

2. भारत चीन युद्ध कब हुआ था?

3. गुट निरपेक्ष देशों का 16वां शिखर सम्मेलन कब और कहां होगा?

4. भारत द्वारा शांति सेना किस देश में भेजी गई थी?

5. भारत भूमण्डलीकरण से कब जुडा?

Answer in one sentence .

1. Who was elicted at the permanent post of constitution assembly.
2. When sino Indian war was held.
3. Where & when the 16th summit conference of non aligned countries was oryaized.
4. To which country did India send Indian peace keeping force.
5. When was Indian associated with globalization.

प्रश्न 6. शरणार्थी समस्या का कोई एक प्रभाव बताइये?

Give any effect of Refugee problem.

अथवा
Or

शरणार्थियों के लिये सबसे महत्वपूर्ण समस्या कौन सी थी?

What was the most important problem for Refugees.

प्रश्न 7. जुनागढ़ का भारत में विलय कब हुआ था?

When was Junagarh annexed to India?

अथवा
Or

हैदराबाद का भारत में विलय कब हुआ?

When was Hyderabad annexed to India?

प्रश्न 8. भारतीय गणतंत्र का प्रथम राष्ट्रपति किसे चुना गया?

Who was the First President of the Republic of India.

अथवा
Or

संविधान सभा के महत्व का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तथ्य क्या है?

What was the most important fact regarding the meaningfulness of Constituent Assembly?

प्रश्न 9. गुट निरपेक्ष आंदोलन से संबद्ध देशों के कितने प्रकार के सम्मेलन होते है?

How many types of Summit were organised between Non Aligned Nations.

अथवा

Or

गुट निरपेक्ष देशों के शिखर सम्मेलन में कौन से सदस्य हिस्सा लेते है?

Which members met during the Peak Summit of the Non Aligned Nations.

प्रश्न 10. भारत चीन युद्ध के समय नेपाल ने क्या रूख अपनाया?

What was Nepal's policy during Indo China War.

अथवा

Or

नेपाल को संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्यता किस सन में प्राप्त हुई?

When did Nepal gain membership of UN.

प्रश्न 11. पिछड़े वर्ग में क्रीमीलेयर सम्पन्न वर्ग किसे कहा गया है? इसके संबंध में क्या व्यवस्थाएं हैं?

Who are said to be under creamy layer in backward class? What aree the arrangement in this regard.

अथवा

Or

राष्ट्रीय विकास परिषद के चार कार्य लिखिये?

Give four functions of National Development Council.

प्रश्न 12. भाषावाद को दूर करने के चार उपाय लिखिये ?

What are the remedies should taken against linguism.

अथवा

Or

क्षेत्रवाद को दूर करने के उपाय बताइये–कोई चार?

What is the remedies should taken against regionalism.

प्रश्न 13. भारत में आर्थिक सुधार आंदोलन को समझाइये?

Explain the Economic Movement in India.

अथवा

Or

भारत में सामाजिक सुधार आंदोलन को समझाइये?

Explain the social Reform Movement in Indian.

प्रश्न 14. भारत की विदेश नीति के निर्धारक 4 तत्व लिखिये?

Write down four determining factors of Indian foreign policy.

अथवा

Or

भारत की विदेश नीति के चार सिद्धांत लिखिये?

Write down the four principles of Indian foreign policy.

प्रश्न 15. दक्षिणी एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) के गठन एवं महत्व पर प्रकाश डालिये।

Explain the formation of SAARC & give its impartance.

अथवा

Or

गुट निरपेक्ष आंदोलन की उपलब्धियां बताइये?

What are the achievement of non aligned movement.

प्रश्न 16. भारत–अमेरिका के मध्य मतभेद के चार मुख्य कारण क्या थे?

What are the four major factors behind the indo-American conflicts.

अथवा

Or

भारत–पाकिस्तान संबंधों में सुधार हेतु सुझाव दीजिए?

Give your suggestions for the improvement in the relations of indo-pak.

प्रश्न 17. भूमण्डलीकरण को परिभाषित करे? तथा भूमण्डलीकरण के उदय के कारण लिखे?

Define globalization. Write down the causes of globalization.

अथवा

Or

आधुनिकीकरण की परिभाषा दीजिए तथा इसकी विशेषताएं बताईये?

Define modernization & give its feateres.

प्रश्न 18. छोटे राज्यों के निर्माण से क्या हानियां है?

What are the demerit behind the formation of small states.

अथवा

Or

छोटे राज्य का निर्माण समस्याओं को जन्म देता है? स्पष्ट करें?

The formation of small states lyiearises to muttiple problem clarity.

प्रश्न 19. अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिये किये गये सरकारी प्रयत्नों को संक्षेप में समझाइये?

Explain in brief the efforts taken by government for the welfare of sc/st.

अथवा

Or

योजना आयोग के कोई पांच कार्य लिखिये।

Write down 5 aims of planning commission.

प्रश्न 20. हिंसा का अर्थ लिखिये? भारत में हिंसा के प्रकार बताइये?

What do you mean by viotence what are the types of violence in India.

अथवा

Or

निरक्षरता को दूर करने के सुझाव दीजिये?

Give your suggestions for eliminating the illiteracy.

प्रश्न 21. चिपकों आंदोलन पर प्रकाश डालिये ?

Explain Chipko Movement.

अथवा

Or

महिलाओं की स्थिति में सुधार के उपाय लिखिये?

What remedies should taken for women welfare.

प्रश्न 22. शीतयुद्ध के परिणामों को लिखिये?

What are the resutts of cold war?

अथवा

Or

शीतयुद्ध के कारण लिखिये?

What are the causes of cold war?

प्रश्न 23. भारतीय सवंधिान सभा के सम्मुख कौन–कौन सी कठिनाईयां उत्पन्न हुई थीं किन्ही 6 बिन्दुओं से स्पष्ट कीजिये।

What were the problem occurred before Indian constituent Assembly give six points.

अथवा

Or

भारतीय संविधान के विभिन्न स्त्रोत लिखिए (कोई 6 बिन्दु)

What are the various sourcs of Indian constitution (any 6 points)

प्रश्न 24. संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख अंगों के नाम लिखिए व उसके उद्देश्य समझाइये?

Name the main organs of united nation organization & explain its objectives?

अथवा

Or

निःशस्त्रीकरण के मार्ग में आने वाली प्रमुख कठिनाइयों को लिखिए?

Discuss the obstacles in the way of Disarmament.

– – – – – –

आदर्श उत्तर

विषय – राजनीति विज्ञान (Political Science)
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. सही विकल्प

(i) 370

(ii) 26 जनवरी, 1950

(iii) प्रधानमंत्री

(iv) किसान आंदोलन

(v) 1972

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति :–

(i) डॉ. सच्चिदानंद मिश्रा

(ii) 395

(iii) छत्तीसगढ़

(iv) 25

(v) आधुनिकीकरण

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य –

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) असत्य

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां –

	क		ख
(अ)	भारत का प्रथम परमाणु विस्फोट	–	1974
(ब)	यूनेस्को मुख्यालय	–	पेरिस
(स)	कोरिया युद्ध वर्ष	–	1950
(द)	सं.रा.स. की स्थापना	–	24 अक्टूबर 1945
(इ)	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय	–	हेग (हालेण्ड)

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर लिखिए –

1. संविधान सभा के स्थायी पद पर डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को निर्वाचित किया गया?
2. भारत और चीन के बीच सन 1962 में युद्ध हुआ था।
3. गुट निरपेक्ष देशों का 16वां शिखर सम्मेलन 2012 इरान में होगा
4. भारत द्वारा शांति सेना श्रीलंका में भेजी गई थी।
5. वैश्विक ग्राम बन जाता है।

प्रत्येक सही लिखने पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. शरणार्थी समस्या का एक प्रमुख प्रभाव शरणार्थियों द्वारा छोड़ी गई संपत्तियों के लिये क्षतिपूर्ति की समस्या थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शरणार्थियों के लिये पुनर्वास की समस्या सबसे महत्वपूर्ण थी।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. जुनागढ़ का भारत में विलय 20 जनवरी सन 1949 में हुआ था।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हैदराबाद का भारत में विलय सितम्बर सन 1948 में हुआ था।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संविधान सभा ने एक गणतंत्रात्मक, लोकतंत्रात्मक, धर्म निरपेक्ष एवं संप्रभुता संपन्न संविधान का निर्माण किया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. गुट निरपेक्ष आंदोलन से संबद्ध देशों के दो प्रकार के सम्मेलन है –

1. गुट निरपेक्ष देशों के विदेशी मंत्रियों का सम्मेलन।
2. शिखर सम्मेलन।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गुट निरपेक्ष देशों के शिखर सम्मेलन में पूर्ण सदस्य, पर्यवेक्षक राज्य सदस्य, पर्यवेक्षक गैर राज्य सदस्य तथा अतिथि सदस्य भाग लेते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. भारत चीन 1962 के युद्ध में नेपाल पूर्णतः तटस्थ रहा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सन 1955 में नेपाल का संयुक्त राष्ट्र संघ की सदस्या प्राप्त हुई।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. क्रीमीलेयर या सम्पन्न वर्ग से तात्पर्य उन पिछड़े वर्गों में ऐसे वर्ग से है जो सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक दृष्टि से काफी आगे निकल आये है।

इन वर्गों की पहचान के लिये उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार संघ सरकार ने न्यायमूर्ति आर.एन. प्रसाद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन फरवरी 1993 में किया गया। जिनके आधार पर विकसित वर्ग की पहचान की गयी। इसके अनुसार अन्य पिछड़े वर्ग में ये वर्ग विकसित वर्ग या सम्पन्न वर्ग या क्रीमीलेयर माने जाएंगे एंव इनके पुत्र–पुत्रियों को आरक्षण सुविधा प्राप्त नहीं होगी।

सम्पन्न वर्ग में निम्न वर्ग शामिल होते हैं व निम्न व्यवस्थाएं हैं।

(1) संवैधानिक पदों पर आसीन राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, राज्य लोकसेवा के अध्यक्ष, महालेखा परीक्षक के पुत्र, पुत्री, पत्नी को आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा।

(2) शासन में प्रथम व द्वितीय श्रेणी के राजपत्रित अधिकारी।

(3) अभिभावकों में से कोई एक या दोनों प्रथम श्रेणी का राजपत्रित अधिकारी या उससे ऊपर के पद पर आसीन हो।

(4) जिन परिवारों में सिंचित भूमि की अधिकतम सीमा 85 प्रतिशत से ज्यादा हो।

सम्पन्न वर्ग को सामाजिक व आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा वर्ग नहीं माना जा सकता है। उन्हें आरक्षण की सुविधा नहीं दी जा सकती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

योजना आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रीय विकास परिषद को निम्नलिखित कार्य सौंप गये हैं–

(1) योजना आयोग द्वारा तैयार किये गये योजना के प्रारूप पर विचार–विमर्श करके उसे अंतिम स्वीकृति प्रदान करना।

(2) समय–समय पर राष्ट्रीय योजना के कार्य की समीक्षा करना तथा दिशा निर्देश जारी करना।

(3) राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाली सामाजिक व आर्थिक नीति के महत्वपूर्ण प्रश्नों पर विचार करना।

(4) राष्ट्रीय योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की सफलता हेतु उपायों की सिफारिश करना।

(5) जनता से सक्रिय सहयोग प्राप्त करना।

(6) पिछड़े प्रदेशों तथा वर्गों का पूर्ण विकास करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12.

(1) राज्यों में अपनी राजकीय भाषा में सरकारी कामकाज कराये जाने पर अन्य राज्यों से संपर्क भाषा के रूप में अंग्रेजी के स्थान पर हिन्दी भाषा को अपनाया जाना चाहिये।

(2) अखिल भारतीय स्तर की प्रतियोगिता परीक्षाओं में अंग्रेजी के साथ हिन्दी के प्रयोग की अपेक्षा हिन्दी के साथ अन्य क्षेत्रीय भाषाएं उपयोग में लायी जायें।

(3) क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य का हिन्दी सहित अन्य भाषाओं में अनुवाद करना चाहिये। इस हेतु केन्द्रीय सरकार को उदारतापूर्वक वित्तीय सहायता की व्यवस्था करनी चाहिये।

(4) राज्यों में गठित सक्रिय भाषायी समूहों पर और ऐसे संगठनों, पत्र–पत्रिकाओं के प्रकाशन पर प्रतिबंधलगाना चाहिये और उल्लंघनकर्ताओं को दंड देना चाहिये।

(5) शहरों में संयुक्त भाषा के रूप में हिन्दी को विकसित किया जाये।

(6) भाषा विशेष से संबंधित भावना का प्रचार करने वाले व्यक्तियों को दंडित करना चाहिये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

(1) देश के नागरिकों को स्वयं को बिहारी, पंजाबी, बंगाली, गुजराती नहीं समझना चाहिये। सभी भारत के ही नागरिक हैं, स्वयं को भारतीय कहने में गर्व अनुभव करना चाहिये।

(2) प्रत्येक नागरिक को चाहिये कि राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता और क्षेत्रीय हित को गौण समझे।

(3) प्रत्येक नागरिक को अपने क्षेत्र और प्रदेश की संस्कृति को सम्मान देना चाहिये।

(4) क्षेत्रीयता की भावना का प्रचार–प्रसार करने वाले व्यक्तियों, राजनीतिक दलों एवं प्रकाशनों पर सरकार को कानून बनाकर प्रतिबंध लगा देना चाहिये।

(5) राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय महत्व के प्रश्नों पर केन्द्र सरकार का ह्रदय से भरपूर सहयोग करना चाहिये।

(6) क्षेत्रीयता का प्रचार–प्रसार करने वाले व्यक्तियों राजनीतिक दलों एवं प्रकाशनों पर सरकार को कानून बनाकर प्रतिबंध लगा देना चाहिये।

(7) राष्ट्र भाषा के प्रचार–प्रसार पर यथा संभव प्रयास किया जाये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. सन् 1947 में भारत स्वतंत्र हुआ। सोने की चिड़िया कहलाने वाला भारत गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी जैसे अनेक आर्थिक समस्याओं से घिरा था आर्थिक रूप से भारतीय कृषि, उद्योग काफी पिछड़े, उपेक्षित एवं दयनीय स्थिति में है। स्वतंत्रता के पश्चात भारत का आर्थिक पुनर्निर्माण करने की आवश्यकता थी ताकि देश का योजनाबद्ध विकास हो सके व निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हो सके।

पंचवर्षीय योजनाएं बनायी गई। मिश्रित अर्थ व्यवस्था को अपनाया। सन 1951 से भारत में पंचवर्षीय विकास योजना का शुभारंभ किया गया। कृषि के बहुमुखी विकास पर बल दिया। औद्योगिकीकरण, आत्मनिर्भरता, हरित क्रांति, सिंचाई की सुविधा में वृद्धि, खाद, कीटनाशकों का प्रयोग, उन्नत बीज उपयोग, गरीबी उन्मूलन पर बल दिया गया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

19वीं शताब्दी में राजनीतिक अराजकता थी। हमारी संस्कृति एवं सभ्यता पर काफी दबाव था। हमारे समाज में कुरीतियों, अन्धविश्वास एवं जड़ता ने पैर जमा लिया था जिससे मुक्ति प्राप्त करना आवश्यक था। अंग्रेज हमारी संस्कृति एवं ऐतिहासिक उपलब्धियों की उपेक्षा कर रहे थे, ऐसे समय कुछ सामाजिक सुधारकों ने सामाजिक सुधार करने का प्रयास किया।

ब्रह्म समाज– सन 1932 में राजा राममोहन राय ने ब्रह्म समाज की स्थापना की मूर्ति पूजा, जाति प्रथा, सती प्रथा का विरोध किया।

प्रार्थना समाज – जस्टिस रानाडे इसके प्रमुख नेता थे। विधवा विवाह, महिलाओं की गरिमा, पर बल दिया।

आर्य समाज – सन 1875 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने आर्य समाज की स्थापना की। वेदों की ओर लौटो का नारा दिया। मूर्ति पूजा, अवतारवाद, छुआछूत, अशिक्षा, बाल विवाह, अंधविश्वास के विरुद्ध आवाज उठायी।

रामकृष्ण मिशन– शुरूआत रामकृष्ण परमहंस ने की प्रचार–प्रसार स्वामी विवेकानंद ने किया। गरीबी दूर करना, पीड़ितों की सेवा पर बल, नैतिक शक्ति के साथ शारीरिक शक्ति के उत्थान की आवश्यकता पर बल दिया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. भारत की विदेश नीति के निर्धारण मे ंजिन तत्वों का विशिष्ट महत्व रहा है, वे निम्नलिखित हैं–

(1) भौगोलिक तत्व – विदेश नीति का प्रमुख उद्देश्य प्रादेशिक सुरक्षा होता है, जिसका संबंध भूगोल से होता है। भारत के उत्तर में हिमालय और दो प्रमुख साम्यवादी देश चीन और रूस हैं तथा दक्षिण पूर्व और दक्षिण–पश्चिम में भारत समुद्र से घिरा हुआ है। अपनी उत्तरी और दक्षिणी सीमाओं को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से ही भारत साम्यवादी और पश्चिमी किसी भी गुट में सम्मिलित नहीं हुआ।

(2) ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्पराएं – प्राचीनकाल से ही भारत शांतिप्रिय एवं न्यायप्रिय रहा है, जिसने किसी भी देश पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने का प्रयास नहीं किया। सहिष्णुता, मित्रता, मानवतावादी दृष्टिकोण, साम्राज्यवाद व उपनिवेशवाद का विरोध। भारतीय तिरंगे के मध्य अशोक चक्र इस बात का प्रतीक है कि भारत विश्व में शांति व मित्रता की स्थापना करना चाहता है।

(3) विचारधाराएं – महात्मा गांधी, अरविंदो, रवीन्द्रनाथ टैगोर, ए.एन. राय जैसे मानवतावादी महापुरूषों का बहुत प्रभाव रहा।

(4) पं. जवाहर लाल नेहरु का व्यक्तित्व – नेहरु केवल भारत के प्रथम प्रधान मंत्री ही नहीं विदेश मंत्री भी रहे। पं. नेहरु साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद और फासिस्टवाद के घोर विरोधी थे। मंत्री सहयोग, सहअस्तित्व की भावना के पोषक थे।

(5) अंतर्राष्ट्रीय तत्व

(6) सैनिक तत्व

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत की विदेश नीति के प्रमुख सिद्धांत निम्नलिखित हैं–

(1) गुट निरपेक्षता या असंलग्नता – गुट निरपेक्षता का अर्थ है महाशक्तियों की राजनीति के साथ अपनी राजनीति को न जोड़ना अर्थात गुटों से दूर रहकर अपनी स्वतंत्र नीति का पालन करना परंतु इसका यह अर्थ नहीं है कि अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की रूचि नहीं है और वह प्रत्येक राजनीतिक प्रश्न व संघर्ष से स्वयं को पृथक व तटस्थ रखना चाहता है। तटस्थता का अर्थ है निष्पक्षता।

(2) शांति पूर्ण सह अस्तित्व – सन् 1954 में भारत व चीन के बीच हुए समझौते में इसे शामिल किया गया। इस पंचशील नामक सिद्धांत में से गिना गया। पांच सिद्धांत शामिल किये गये।

(1) एक दूसरे की प्रादेशिक एकता व प्रभुसत्ता का सम्मान

(2) परस्पर अनाक्रमण

(3) एक–दूसरे के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करना।

(4) समानता एवं आपसी हितों का ध्यान

(5) शांतिपूर्ण सह अस्तित्व

(3) जातिवाद का विरोध – भेद–भाव के विरोध में सन 1946 में प्रश्न उठाया गया। जब दक्षिण अफ्रीका संघ द्वारा उस देश में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के प्रति दुर्व्यवहार किया गया। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के साथ संबंध तोड़ दिये। उस देश के साथ संबंध दोबारा तभी स्थापित किए जब पृथककरण व्यवस्था को पूर्णतः हटाकर एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक सरकार की 1994 में नेल्सन मंडेला द्वारा स्थापना की गई।

(4) उपनिवेशवाद का विरोध – भारत उपनिवेशवाद का विरोधी रहा है। भारत की इस प्रवृत्ति ने उसे उन एशियाई व अफ्रीका राज्यों के निकट कर दिया जो स्वयं ही इस उपनिवेशवाद के शिकार थे।

(5) संयुक्त राष्ट्र के साथ सहयोग

छात्र अन्य बिन्दु लिख सकते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. सार्क के चार्टर का गठन निम्नलिखित संस्थाओं से होता है–

(1) शिखर सम्मेलन – शिखर सम्मेलन में सभी सदस्य देशों के शासनाध्यक्ष होते है प्रतिवर्ष एक शिखर सम्मेलन होता है। अभी तक 15 शिखर सम्मेलन हो चुके है।

(2) मंत्रिपरिषद – चार्टर 4 में यह प्रावधान है कि सदस्य देशों के मंत्रिपरिषद की बैठक होगी जिसकी 6 माह में एक बैठक होगी। उसमें संघ से संबंधित एवं उसके हितों से संबंधित निर्णय लेना तथा नवीन क्षेत्रों की खोज करना प्रमुख है।

(3) स्थायी समिति– चार्टर 5 के अनुसार सदस्य देशों विदेशी सचिवों की समिति है, वर्ष में एक बार मिटिंग होती है। सहयोगी वातावरण निर्मित करना, प्राथमिकताओं के आधार पर कार्य करना अध्ययन के आधार पर सहयोग करना आदि है।

(4) तकनीकि समितियां – इसमें सभी देशों के सदस्य प्रतिनिधि होते है जो अपने क्षेत्रों में कार्यक्रम को लागू करवाते हैं उन कार्यों की मानीटरिंग करना।

(5) कार्यकारी समिति– इसकी स्थापना स्थायी समिति के सदस्यों द्वारा की जाती है।

(6) सचिवालय – सार्क का मुख्यालय काठमाण्डु में है। इसका कार्यकाल तीन वर्ष का होता है। सचिवालय को सात भागों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक भाग के प्रमुख को निदेशक कहते है।

(7) वित्तीय प्रशासन – सार्क के प्रत्येक सदस्य का अंशदान ऐच्छिक रखा गया है। कार्यक्रम के खर्चे हेतु सदस्य देशों से राशि एकत्रित कर तकनिकी समिति के सदस्यों को दी जाती है।

महत्व – (1) सार्क देशों के मध्य आतंकवाद को रोकना।

(2) सदस्य देशों के मध्य व्यापारिक क्षेत्र को बढ़ावा देना।

(3) अच्छे शासन को चलाना।

(4) रेडियो, दूरदर्शन एवं संचार माध्यम द्वारा सूचनाओं के माध्यम में सहयोग करना।

(5) राजनैतिक मतभेदों को दूर करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गुट निरपेक्ष आंदोलन की उपलब्धियां (कोई 6 लिखने पर 6 अंक)

(1) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा

(2) गुट निरपेक्ष आंदोलन को मान्यता देना

(3) शीत युद्ध समाप्त कराने में सहायक

(4) निःशस्त्रीकरण में सहायक

(5) स्वतंत्र नीति का अनुसरण

(6) आर्थिक सहयोग का बढ़ावा देना।

(7) स्वतंत्र विदेश नीति

(1) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को बढ़ावा – विश्व में अनेक तनाव एवं संघर्ष है गुट निरपेक्ष आंदोलन द्वारा उनको रोकने में सफलता मिली है जिससे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति एवं सुरक्षा को बल मिला है।

(2) गुट निरपेक्ष आंदोलन को दोनों गुटों की मान्यता – सोवियत संघ और अमेरिका दो गुट है पहले इसे शंका की दृष्टि से देखा, लेकिन इन दोनों ही

शक्ति ने इसके कार्य से प्रभावित होकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन को मान्यता दी जिससे विश्व के अन्य देश भी इस नीति में शामिल हो गये।

(3) शीत युद्ध को समाप्त करने में सहायक – दोनों गुटों के बीच जब संघर्ष होने लगा एवं इनके मध्य शीत युद्ध शुरू हो गया तो इसे समाप्त करने के लिए गुट निरपेक्ष राज्यों के द्वारा अनेक मध्य वैचारिक सुलह कर शीत युद्ध को समाप्त करने में अपनी महती भूमिका निभाई।

(4) निःशस्त्रीकरण में सहायक–भारत में आण्विक प्रतिबंध हेतु 1954 में प्रस्ताव रखे जो धीरे–धीरे 1964 में आण्विक परीक्षण संधि के रूप में फलीभूत हुए जिससे निशस्त्रीकरण की भावना और मजबूत हुई अतः भारत की भूमिका इसमें महती रही। आण्विक शस्त्रों का उपयोग मानव विकास में होने लगा जिससे विश्व में उपस्थित जनता को तनाव से मुक्ति मिली।

(5) स्वतंत्र नीति का अनुसरण – अफगानिस्तान, कम्पूचिया, वियतनाम आदि ने संकट के दौरान भारतीय नीति को अपनाकर स्वतंत्र विदेश नीति को अपनाया अतः अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी गुटनिरपेक्ष नीति का पालन किया गया जिससे अन्य देशों को भी अनुसरण करने की सीख मिली।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य मतभेद और कटुता के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं।

(1) उपनिवेशवाद एवं साम्राज्यवाद – स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत और अमेरिका दोनों ही उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद के घोर विरोधी थे, परन्तु अमरीका की संपूर्ण राजनीति और हित ब्रिटेन, फ्रांस, पुर्तगाल, स्पेन, हॉलेण्ड जैसे देशों के साथ जुड़े होने के कारण अमरीकी नेताओं ने उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद का विरोध करने की बजाय मौन धारण कर लिया।

(2) कश्मीर का प्रश्न – अमरीका ने संयुक्त राष्ट्र संघ में स्पष्ट रूप से स्वीकार किया था कि कश्मीर का भारत में विलय पूर्णतया विधिवत है। परंतु पाकिस्तान

द्वारा सन् 1947 में कश्मीर पर किये गये आक्रमण के पश्चात भारत पाकिस्तान के विरुद्ध न्याय के उद्देश्य से जब 31 दिसम्बर सन् 1947 को संयुक्त राष्ट्र संघ की सुरक्षा परिषद में ले गया तो अमेरिका ने भारत का विरोध करते हुए पाकिस्तान का पक्ष लिया। अमेरिका की इस भूमिका के कारण ही भारतीय जनमत अमेरिका के विरुद्ध हो गया।

(3) अमेरिका द्वारा पाकिस्तान का समर्थन एवं सैनिक सहायता – सन् 1965 और सन् 1971 के भारत पाक युद्ध में पाकिस्तान ने अमेरिका से प्राप्त हथियारो का खुलकर प्रयोग किया। इसके पश्चात भी अमेरिका पाकिस्तान को इस प्रकार की निरंतर सहायता दे रहा है।

(4) भारत की गुट निरपेक्षता की नीति – भारत ने स्वतंत्रता के बाद किसी भी गुट में शामिल न होते हुए अपनी विदेश नीति का मूलाधार गुट निरपेक्षता को बनाया।

(5) साम्यवाद एवं साम्यवादी गुट – युद्धोत्तर काल में अमेरिकी विदेश नीति का मूलाधार साम्यवाद के प्रसार को रोकना रहा है। भारत तो दोनों ही महाशक्ति से अपने मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना चाहता था। यद्यपि भारत ने भी अनेक बार साम्यवाद की कटु आलोचना की है, परंतु अमेरिका की भांति उसने साम्यवाद के प्रति कठोर दृष्टिकोण नहीं अपनाया।

(6) सैनिक संगठन

(7) भारत का रूस की ओर झुकाव

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारत–पाकिस्तान संबंध सुधारने हेतु निम्न सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं–

(1) कश्मीर दोनों देशों की प्रतिष्ठा का प्रश्न नहीं है। कई युद्ध हुए आज भी वहां आतंक का साम्राज्य है। जब तक इस प्रश्न का राजनैतिक हल नहीं

निकलता तब तक सैनिक आतंकवादी कार्यवाही बंद करने संबंधी समझौता हो जाना चाहिये।

(2) भारत को जम्मू व लद्दाख को कश्मीर से पृथक कर व धारा 370 को समाप्त कर भारतीय राष्ट्र की श्रेणी में रखना चाहिये। ताकि भारतीयों के मन से क्षोभ दूर होगा वहीं पाकिस्तान कश्मीर में इस्लाम धर्मियों के आधार पर विश्व में मांग प्रस्तुत नहीं कर सकेगा।

(3) दोनों देशों के मध्य शिक्षा, सांस्कृतिक विरासत, टेक्नीकल शिक्षा का सामंजस्य व आदान–प्रदान हो।

(4) धार्मिक कट्टरता के स्थान पर सहिष्णुता का वातावरण दोनों देशों में पैदा किया जाए तथा बदलते परिवेश व मान्यता के अनुरूप धार्मिक सुधार के प्रयास हों।

(5) सबसे महत्वपूर्ण आधार दोनों देशों के बीच व्यापारिक नियमों में छूट देकर दोनों देश अपने आयात व निर्यात नियम बेहतर बनाये।

(6) दोनों देशों के बीच नागरिकता के नियम उदार बनाये जाएं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. परिभाषा – भू का अर्थ पृथ्वी है, मण्डलीकरण का अर्थ है मंडल के रूप में परिवर्तित होना। संपूर्ण विश्व को मंडल बना देना ही भूमण्डलीकरण है। भूमण्डलीकरण शब्द आर्थिक क्षेत्र से संबंध रखता है। यह व्यापार की एक केन्द्रीय व्यवस्था है।

भू मण्डलीकरण के उदय के कारण

(1) राष्ट्रों की पारस्परिक निर्भरता – आज कोई भी राष्ट्र पूर्णतः आत्मनिर्भर नहीं है। किसी के पास संसाधन नहीं , कहीं प्रशिक्षित कामगार नहीं, अतः पारस्परिक निर्भरता बढ़ी है।

(2) पर्यावरण – पर्यावरण की समस्या आज विश्वव्यापी बन गई है। विश्व के सभी राष्ट्र मिलकर ही पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं। विश्व का पर्यावरण

सुरक्षित रहा तो ही विश्व मानवता सुरक्षित एवं स्वस्थ रहेगी। इस सामान्य चिंता ने विश्व को एकजुट किया है।

(3) आतंकवाद की समस्या – आतंकवाद से कैसे बचाव किया जाय यह भी विश्व व्यापी चिंता का विषय है। चाहे सन् 2001 में न्यूयार्क में विश्व व्यापार केन्द्र पर आक्रमण हो, भारतीय संसद केन्द्र पर आतंकवादी आक्रमण हो, बेनजीर भूट्टो की हत्या हो। ये सभी प्रश्न विश्वमानवता के समक्ष चिन्ता के विषय है। इस सामान्य चिंता ने भी भूमण्डलीकरण के उदय तथा विकास में योगदान किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

परिभाषा – आधुनिकीकरण एवं व्यवस्थित, निरंतर तथा निश्चित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मानवीय शक्तियों का उपयोग है जिसका विभिन्न मानवीय लक्ष्यों के लिये मानवीय प्राकृतिक एवं समाजिक पर्यावरण का विवेकसंगत नियंत्रण करने की भवना से प्रेरित होता है। राबर्ट ई. वार्ड ने आधुनिकीकरण को आधुनिक समाज की निर्माण की दिशा में आंदोलन बताया है।

विशेषताएं –

(1) आधुनिक समाज में अपने पर्यावरण की भौतिक एवं सामाजिक परिस्थितियों को प्रभावित करने तथा नियंत्रित करने की सामर्थ्य होती है।

(2) आधुनिक समाज के मूल्य सिद्धांत होते हैं। जो मूलतः आशावादी होते हैं। इसे अपनी क्षमता के परिणामों तथा आवश्यकताओं पर पूरा विश्वास होता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. छोटे राज्यों के निर्माण से निम्नलिखित हानियां है जो इस प्रकार है –

(1) छोटे राज्यों के निर्माण से अनावश्यक व्यय देश पर पड़ता है।

(2) छोटे राज्यों के निर्माण से नौकरशाही हावी होती है।

(3) छोटे राज्यों के निर्माण से यदि विकास की ग्यारंटी होती तो मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश क्यों पिछड़े हुए हैं।

(4) छोटे राज्यों के निर्माण से पृथकतावादी ताकतों को अवसर मिलता है जिससे देश की एकता व अखण्डता के लिए खतरा उत्पन्न हेता है।

(5) छोटे राज्यों के निर्माण से क्षेत्रीय असंतुलन पैदा होता है।

(6) छोटे राज्यों के निर्माण से पृथकतावादी ताकतों को अवसर मिलता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

स्वतंत्रता के बाद से ही छोटे राज्यों के निर्माण की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। चूंकि जब –जब भी राज्यों के पुनर्गठन की आवश्यकता महसूस हुई भारतीय संसद ने राज्यों का निर्माण किया और यह विकास के लिये जरूरी भी है लेकिन लगातार इन मांगों को मानना देश के हित में नहीं है।

आज हमारे देश में अनेक जगह नये राज्यों की मांग से जैसे बुंदेलखण्ड, तेलंगाना, बोडालैण्ड, विदर्भ, भीलांचल आदि से देश की शांति व्यवस्था को चुनौती मिल रही है, रेल रोकना, तालाबंदी कराना अदि देश के विकास में बाधक है साथ ही यदि इनकी मागें मानी जाती है तो प्रशासनिक व्यवस्था के लिए अत्यधिक व्यय करना हेगा जो कि देश हित में नहीं है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. स्वतंत्रता के बाद अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के विकास हेतु अनेक प्रयत्न किये गये, जो इस प्रकार है–

(1) इन जातियों को संवैधानिक संरक्षण दिया गया है जिससे इनके सामाजिक स्तर में सुधार हो जैसे अनु. 17 के अनुसार अस्पृश्यता का अंत अनु. 15(2) के अनुसार सार्वजनिक स्थानों पर उनके प्रवेश को उनका अधिकार मानना आदि।

(2) राजकीय सेवाओं में उनके लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है ताकि राजकीय सेवाओं में इनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व हो सके।

(3) प्रतियोगिता परीक्षाओं मे ंपूर्व प्रशिक्षण की निशुल्क व्यवस्था तथा छात्रवृत्ति की व्यवस्था।

(4) छात्र/छात्राओं को बुकबैंक, छात्रावास, छात्रवृत्ति तथा प्रवेश में आरक्षण की व्यवस्था।

(5) भूमि आवंटन, आवास तथा अन्य विकास हेतु केन्द्रीय व राज्य सरकारों द्वारा आर्थिक सहायता व अनुदान की व्यवस्था करना।

(6) इन जातियों एवं जनजातियों की संस्कृति को संरक्षण देने हेतु अनेक कल्याण विभाग एवं अनुसंधानों संस्थाओं की स्थापना करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

योजना आयोग भारत का ऐसा शक्तिशाली एवं प्रभावशाली अभिकरण है जो देश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इस हेतु वह निम्नलिखित कार्य करता है–

(1) देश के भौतिक,पूंजीगत, मानवीय, तकनीकी एवं कर्मचारी वर्ग सम्बंधी सांधनों का अनुमान लगाना व इन साधनों की कमी हो तो इनकी वृद्धि हेतु अनुसंधान करना।

(2) देश के साधनों के उचित एवं संतुलित उपयोग के लिए योजना बनाकर सरकार को देना।

(3) कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं के विषय में प्राथमिकताएं तय करना।

(4) आर्थिक विकास की बाधाओं का पता लगाकर उन्हें दूर करने के लिए व योजनाओं की सफलत हेतु उचित व स्वस्थ वातावरण तैयार करना।

(5) समय–समय पर योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन करना व नीति तथा उपायों में आवश्यक समन्वय को सिफारिश करना।

(6) आर्थिक नीतियों व विकास कार्यक्रमों के विचार–विमर्श हेतु केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा दिये गये सुझावों की जांच करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. हिंसा का अर्थ – हिंसा एक अमानवीय कार्य है– अतः हिंसा का अर्थ एक व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह के उस असामान्य व्यवहार से है , जिसमें व शांतिपूर्ण वैधानिक ढंगों को छोड़कर लूटमार, आगजनी, आतंक, हत्या, खूनी संघर्ष आदि जैसे गतिविधियां अपनाते है।

भारत में हिंसा के निम्न प्रकार है–

(1) धर्म या साम्प्रदायिक हिंसा।

(2) उग्रवादियों एवं नक्सलवादियों द्वारा हिंसा।

(3) जात–पात के आधार पर हिंसा।

(4) राजनीतिक दलों या संगठनों द्वारा हिंसा।

(5) भाषा व क्षेत्रीयता के आधार पर हिंसा।

(6) अलग राज्यों की मांग के आधार पर हिंसा।

(7) औद्योनिक हड़तालों तथा किसान आंदोलनों द्वारा हिंसा।

(8) व्यक्तिगत हिंसा।

(9) आतंक वादियों द्वारा की गई हिंसा।

(10) चोरी, डकैती, राहजनी, फिरौती आदि संबंधी हिंसा के विविध रूप या प्रकार भारत में पाये जाते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लोकतंत्र के संचालन मे निरक्षरता एक चुनौती है अतः इसे दूर करने के निम्नलिखित सुझाव दिये जा सकते है–

(1) सम्पूर्ण देश के सभी नागरिकों को शिक्षित करने के लिये एक राष्ट्रीय नीति बनाई जाए, इस संबंध में सभी राज्यों से विचार–विमर्श किया जाए।

(2) अनिवार्य तथा निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की जाए।

(3) वयस्कों, महिलाओं व पिछड़े क्षेत्रों के नागरिकों व गरीबों हेतु शिक्षा की अलग–अलग विशेष व्यवस्था की जाए।

(4) शिक्षा का संचार साधनों द्वारा प्रचार करना चाहिए।

(5) शिक्षा के कार्य के लिये गैर–सरकारी संगठनों को आर्थिक मदद देनी चाहिए।

(6) साक्षरता हेतु कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति करने एवं देश के शिक्षित नागरिकों को इस पुनीत कार्य हेतु प्रेरित करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. ग्रामीण भारतीयों की जीविका का मुख्य आधार वन है विशेषकर पहाड़ी व पर्वतीय क्षेत्रों में। 1970 तथा 1980 के दशकों में ग्रामीण व पहाड़ी क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई का विरोध किया यह विरोध चिपको आंदोलन के रूप में प्रसिद्ध हुआ। चिपकों आंदोलन का अर्थ है गले लगाओ। ''आलिंगन करना'' अर्थात व्यावसायियों तथा ठेकेदारों से पेड़ों को काटने से बचाने के लिये पेड़ों का आलिंगन करना।

अप्रैल 1972 में उत्तर प्रदेश के अलकनंदा की घाटी में मंडल गांव मे यह आंदोलन प्रांरभ हुआ जो अगले पांच वर्षो में उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में फैल गया। उत्तर प्रदेश की सरकार ने एक खेल कम्पनी को खेल सामग्री बनाने के लिए जंगल का एक भूखण्ड पेड़ काटने के लिये आवंटित किया लेकिन वहां के निवासियों में आक्रोश फूट पड़ा अंततः सरकार ने विवश होकर आवंटन निरस्त कर दिया।

इस तरह उस प्रदेश में हजारों पेड़ कटने से बच गए। इस आंदोलन के प्रमुख नेता गांधीवादी, समाजसेवी तथा पर्यावरणविद् सुन्दरलाल बहुगुणा थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किये जाने चाहिए –

(1) समाज के कमजोर एवं पिछड़े वर्गों की महिलाओं में व्याप्त अज्ञानता को दूर करना इसके लिए उन्हें महिला संगठनों एवं विकास निगमों से जोड़ा जाए तथा सरकार द्वारा संचालित महिला कल्याण कार्यक्रमों का सतत मूल्यांकन करना चाहिए।

(2) शिक्षा के द्वारा स्त्री–पुरुषके बीच की असमानता को दूर करना आवश्यक है। समाज एवं राष्ट्र निर्माण में महिलाओं का भी उतना ही योगदान है जितना पुरुषों का। यह तभी संभव होगा जब महिलाओं को गरीबी, अशिक्षा, रुढ़िवादिता एवं जड़वादी सामाजिक बंधनों से मुक्त करने के सार्थक प्रयास किए जाए।

(3) महिलाओं को समान स्तर प्रदान करने के लिये उनके ऊपर गृह कार्यों का बोझ कम कर उनकी सहभागिता जीवन के अन्य क्षेत्रों में बढ़ाई जाए।

(4) मौजूदा कानूनों को और अधिक सख्त बनाया जाए ताकि महिलाओं के साथ छेड़छाड़, अपमान, अवमानना, हिंसा, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाएं समाप्त हो जाएं।

(5) अन्य महत्वपूर्ण कदम में महिलाओं के प्रति सामाजिक प्रवृत्ति एवं दृष्टिकोण में बदलाव।

(6) महिलाएं भी अपने अधिकार एवं उनकी गरिमा की रक्षा के लिए सदैव सजग रहे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात उत्पन्न शीतयुद्ध के निम्नलिखित परिणाम हुए, जो इस प्रकार हैं–

(1) शीत युद्ध से पूरा विश्व दो गुटों में बंट गया। जिससे अंतर्राष्ट्रीय समस्याएं और उलझ गई। इस युद्ध के कारण विश्व राजनीति ने मध्यम मार्ग का रास्ता बंद कर दिया।

(2) शीत युद्ध से हथियारों की होड़ मच गई तथा आण्विक युद्ध की संभावना को बढ़ाया।

(3) शीत युद्ध ने सैनिक संधियों तथा गुटबाजी का जाल बिछा दिया। नाटो, सीटो, सेंटो के निर्माण ने विश्व में तनाव व टकराव की स्थिति पैदा कर दी।

(4) शीत युद्ध से संयुक्त राष्ट्र संघ कमजोर हुआ परिणाम स्वरूप गुट निरपेक्षता का जन्म हुआ।

(5) शीत युद्ध के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा महत्वपूर्ण हो गया तथा मानव कल्याण की घोर उपेक्षा रही।

(6) सैन्य गठबंधनों के कारण राष्ट्रों के आंतरिक मामलों में वैचारिक आर्थिक एवं क्षेत्रीय हस्तक्षेप प्रारंभ हुआ। जिसे नव उपनिशेवाद कहते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद उत्पन्न शीत युद्ध के निम्नलिखित कारण है –

(1) सोवियत संघ के साम्यवादी आंदोलन से पूंजीवादी अमेरिका भयभीत था अतः उसे डर था कि कहीं यह पूंजीवादी को समाप्त न करे दे।

(2) द्वितीय विश्व युद्ध का प्रश्न भी एक कारण है जिसमें पश्चिमी देशों एवं सोवियत संघ के बीच मतभेद थे।

(3) अंतर्राष्ट्रीय विशेषकर यूरोप के अनेक छोटे–बड़े देशों को लेकर भी सोवियत संघ एवं अमेरिका में मतभेद रहे।

(4) द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विश्व दो महाशक्तियों में बंट गया–साम्यवादी गुट एवं पूंजीवादी गुट। इन दोनों ने विश्व पर प्रभाव जमाने के लिए एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाये।

(5) माल्टा समझौते का उल्लंघन एवं मार्शल प्लान भी शीत युद्ध के प्रमुख कारणों में से ही है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. भारतीय संविधान सभा को भारतीय संविधान के निर्माण करने में अनेक कठिनाइयों का सामना पड़ा वे निम्नलिखित है–

1. भारत की विशालता – भारत में विभिन्न जाति, भाषा, संस्कृति के व्यक्ति है जिसका प्रमुख आधार धर्म है इसके कारण वह क्षेत्र में भी व्यापक है सभी धर्म, जाति एवं भाषा संस्कृति के लोगों को संतुष्ट नहीं किया जा सकता यह संविधान निर्माण की सबसे अधिक कठिनाई थी इसलिए यह आवश्यक था की सभी को संतुष्ट करने के लिए यह विश्व का सबसे बड़ा संविधान बन गया।

2. मुस्लिम लीग द्वारा संविधान का बहिष्कार – भारतीय संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना इसी मुद्दे पर मुस्लिम लीग ने इसका विरोध किया और यह कहा की हिंदू तथा मुसलमान दोनों के संविधान अलग–अलग संविधान सभा के द्वारा गठन किया जावे क्योंकि दोनों जातियों की संस्कृतियां अलग है। कांग्रेस ने उनके विचार की उपेक्षा कर संविधान निर्माण करने का कार्य जारी रखा।

3. ब्रिटिश सरकार द्वारा विघटन कारी प्रवृतियां – अंग्रेजों ने भारत पर राज्य किया वे यहां की जनता को अच्छी तरह से जानते थे कि यहां के व्यक्तियों की मानसिकता क्या है इसी को आधार मानकर भारत में सांप्रदायिकता, जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रीयतावाद आदि कुत्सित विचार अंग्रेजों ने पनपाये जिसके कारण संविधान निर्माणकर्ताओं को अनेक परेशानियों को झेलना पड़ा।

4. पाकिस्तान का निर्माण – देश का विभाजन सन् 1947 में हुआ उस समय में हमारा संविधान का निर्माण किया जा रहा था तथा पाकिस्तान का निर्माण रातोंरात हुआ, उस समय प्रशासनिक सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक समस्याएं

उत्पन्न हुई जिससे हर क्षेत्र में सुरक्षात्मक समस्याओं का जमावड़ा हुआ। यहीं कारण है कि देश के संविधान को निर्माण करने में भी समय लगा।

5. देशी रियासते – केबिनेट मिशन एवं माउण्ट बेटेन घोषणा के तहत देशी रियासतों को यह अधिकार दिया गया की वे स्वतंत्र रह सकते है या भारत में विलय कर सकते है, इस प्रकार से यह घोषणा भारत की एकता एवं अखंडता को डगमगा सकती थी और डगमगाया। हैदराबाद जम्मू कश्मीर जूनागढ़ आदि कई रियासती राजाओं ने भारत में विलय को स्वीकारा नहीं जिसमें सरदार पटेल को भी अपनी भूमिका निभानी पड़ी जिसमें वर्षों लगे और आज भी जम्मू कश्मीर राज्य–जैसे अन्य कई राज्यों को संविधान में विशेष दर्जा देकर उस समय परिस्थिति वश कठिनाइयों को दूर करने के प्रयास किये गये। यह एक तरह रूकावट थी जो भारत की एकता एवं अखंडता को कमजोर करती है।

6. साम्प्रदायिक भावना– अंग्रेजों ने अपने समय में ही इस भावना को फैलाया 1946 में विभिन्न अधिनियमों के द्वारा लोगों में चरम सीमा में थी जिसके कारण संविधान सभा को संविधान निर्माण करने में अत्यधिक कठिनाई आई।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतीय संविधान के निम्नलिखित स्त्रोत है –

(1) भारतीय शासन अधिनियम 1935 – इस अधिनियम में करीब दो सौ धाराएं थी जिनको संविधान के अंतर्गत रख दिया गया।

(2) ब्रिटिश संविधान – ब्रिटिश संविधान से भारत के संविधान में संसदात्मक शासन प्रणाली ली गई।

(3) अमेरिका का संविधान– अमेरिका के संविधान से भारतीय संविधान की प्रस्तावना, नागरिकों के मौलिक अधिकार, न्यायालय की स्थापना, स्वतंत्र न्यायपालिका, न्यायिक पुरावलोकन, उपराष्ट्रपति का पक्ष आदि से संबंधी अनुच्छेद लिये गये अतः अमेरिका क संविधान स्त्रोत है।

(4) आयरलेंड का संविधान – राज्य के नीति निर्देशक तत्व निर्वाचक मंडल की व्यवस्था, जो राष्ट्रपति चुनाव के लिए होना है, राज्यसभा में विशिष्ट लोगों को लेना आदि से बंधित विषय–भारत के संविधान सभा में आयरलैंड संविधान से लिए गये थे।

(5) कनाड़ा का संविधान – संघात्मक शासन व्यवस्था तथा अवशिष्ट इकाईयों की शक्रियां संघ वे हाथ में दी गई है जो कनाडा के संविधान में है।

(6) आस्ट्रेलिया का संविधान – समवर्ती सूची संघ व केन्द्र में आने वाली शक्तियों आदि का विवरण आस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है।

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा – कई गरीब देश है जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है अतः राष्ट्रों के बीच आर्थिक सहयोग ऐसे देश करें जिनकी आर्थिक स्थिति ठीक है इस नीति के तहत अविकसित राष्ट्रों को विकसित करने के लिये आर्थिक रूप से सहयोग की नीति बनाई गई इसके तहत उन्हें सहयोग दिया गया जिससे ऐसे राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जुड़े एवं उन्हें अधिक से अधिक आर्थिक सहयोग अन्य राष्ट्रों से मिल सके।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. संयुक्त राष्ट्र संघ के अंग

संयुक्त राष्ट्र संघ के निम्नलिखित छः प्रमुख अंग है –

(1) साधारण सभा या महासभा

(2) सुरक्षा परिषद्

(3) आर्थिक व सामाजिक परिषद्

(4) संरक्षण या न्यास परिषद्

(5) अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय

(6) सचिवालय

संयुक्त राष्ट्र संघ के उद्देश्य– संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

(1) मानव जाति की संतति को युद्ध की विभीषिका से बचाने के लिये अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा को स्थायी रूप प्रदान करना और इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु शांति विरोधी तत्वों को दण्डित करना।

(2) समान अधिकार तथा आत्म निर्णय के सिद्धांतों को मान्यता देते हुए इस सिद्धांतों के आधार पर विभिन्न राष्ट्रों के मध्य संबंधों एवं सहयोग में वृद्धि करने के लिये उचित उपाय करना।

(3) विश्व की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक आदि मानवीय समस्याओं के समाधान हेतु अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त करना।

(4) शांतिपूर्ण उपायों से अंतर्राष्ट्रीय विवादों को सुलझाना।

(5) इन सामान्य उद्देश्यों की पूर्ति में लगे हुए विभिन्न राष्ट्रों के कार्यों में समन्वयकारी केन्द्र के रूप में कार्य करना।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विगत लगभग 47 वर्षों से संयुक्त राष्ट्र संघ तथा अन्य संगठनों द्वारा निःशस्त्रीकरण की दिशा में किये गये अनवरत प्रयासों के बावजूद वांछित सफलता प्राप्त नहीं हो सकी है। ये कठिनाइयां निम्नानुसार हैं –

(1) दोनों महाशक्तियों के मध्य अविश्वास की स्थिति – पारस्परिक अविश्वास, वाताएं करना किंतु शस्त्रास्त्रों के निर्माण में संलग्न रहना। अविश्वास के कारण समझौता नहीं हो पाना और यदि समझौता हो भी गया तो लागू नहीं हो पाता।

(2) फ्रांस और चीन के बढ़ते चरण – सन् 1960 में फ्रांस और सन् 1964 में चीन द्वारा किया गया आणविक शस्त्रों का विकास और इस दिशा में उनकी निरंतर क्रियाशीलता ने निःशस्त्रीकरण के मार्ग में बाधा उपस्थित की है।

निःशस्त्रीकरण की सीमा के अनुपात का प्रश्न – निःशस्त्रीकरण वार्ता के समय संबंधित देशों के मध्य शस्त्रास्त्रों की सीमा का अनुपात निश्चित किया जाता है परंतु प्रत्येक देश को यह संदेह बना रहता है कि कहीं दूसरे देशों द्वारा उसकी

शक्ति को घटाने और अपनी शक्ति को बढ़ाने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा है।

(4) प्राथमिकता का प्रश्न – पहले निःशस्त्रीकरण किया जाये या पारस्परिक राजनीतिक विवादों एवं समस्याओं को हल किया जाये।

(5) नये देशों की आणविक शक्ति सम्पन्न बनाने के प्रयास

(6) आर्थिक लाभार्जन संबंधी दबाव

(7) राष्ट्रवाद और प्रभुसत्ता की भावना

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 6 अंक प्राप्त होंगे।

– – – – – – – – –